पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश मार्च, 2021

1. **माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां**: अनुलग्नक-। में दी गई हैं।

2. **व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण रुके हुए महत्वपूर्ण नीतिगत पहलू/ मामले आदि**: शून्य।

3. सचिवों की समिति के निर्णयों का अनुपालन

क्रम सं	**अनुपालन के लिए लंबित सचिवों की समिति के निर्णयों की संख्या।**	**प्रस्तावित कार्य योजना / समय सीमा।**	**अभ्युक्तियां**
1	दिनांक 14/08/2014 क्रिल मछली पकड़ने का प्रस्ताव । पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर क्रिल मछली पकड़ने में विभिन्न देशों के अनुभव का अध्ययन करेगा ताकि भारत उनके अनुभवों से सीख सके। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से विदेश मंत्रालय उन देशों की जांच एवं पहचान करेगा जिनके साथ भारत क्रिल मछली पकडने में सहयोग कर सकता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने में भारतीय उद्योग के हितों का पता लगाएगा और विदेशी कंपनियों के साथ सीधे सहयोग करने वाली भारतीय कंपनियों की व्यवहार्यता का भी पता लगाएगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय दायित्वों के भाग के रूप में कानून के मसौदे को अंतिम रूप देने से पहले अन्य सदस्य देशों द्वारा अधिनियमित कानूनों का अध्ययन करेगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने से संबंधित मांग विश्लेषण, वित्तीय व्यवहार्यता, उद्योग के हितों, अन्य देशों के अनुभवों, मछली पकड़ने के लाइसेंस के लिए मापदंड, मौजूदा ज्ञान की कमी आदि के संबंध में एक दस्तावेज प्रकाशित करेगा। इसके बाद, भारत को वाणिज्यिक क्रिल मछली पकड़ने में शामिल होना चाहिए या नहीं, इस पर निर्णय लेने के लिए सचिवों की समिति की पुनःबैठक होगी।	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने क्रिल मछली पकड़ने से संबंधित पहलुओं की जांच की है। जापान और नॉर्वे ने विशेषता विकसित की है और क्रिल मछली पकड़ने मे सहयोग के लिए इन देशों को अनंतिम रूप से चिन्हित किया गया है। उनके अनुभव प्राप्त हुए हैं। क्रिल मछली पकड़ने के लिए भारतीय उद्योग से संपर्क किया गया है ताकि उनके हितों का पता लगाया जा सके। तथापि, अभी तक हमें कोई प्रतिक्रिया नहीं प्राप्त हुई है। मसौदा दस्तावेज तैयार है और मंत्रिमंडल सचिवालय के सुझाव प्राप्त हो गए हैं।	क्रिल मछली पकड़ने के लिए नॉर्वे के साथ सहयोग के लिए नीति आयोग के माध्यम से प्रस्ताव भेजा गया है।

मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित अभियोजन के लिए स्वीकृति के मामले: शून्य।

ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार की स्थापित कार्य व्यवहार- नियमों में छूट दी गयी है: शून्य ।

ई- प्रशासन के कार्यान्वयन की स्थिति : कार्यान्वित किया जा रहा है।

लोक शिकायतों की स्थिति:

महीने के दौरान निपटाई गई लोक शिकायतों की संख्या	महीने के अंत में लंबित लोक शिकायतों की संख्या।
18	07

8. प्रशासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय /विभागों द्वारा किए गए विशिष्ट उपायों के संबंध में सूचना।

समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल ॥ जैसे उपग्रह से प्राप्त किए गए मापदंडों का उपयोग करके मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, अल्पावधि और मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।

9 (i) **इस बात की पुष्टि की जाए कि मंत्रालय / विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्योरा AVMS पर अद्यतन किया गया है:** इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय / विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा AVMS पर अद्यतन किया गया है और इसका ब्यौरा अनुबंध- ॥ में दिया गया है।

(ii) **मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों के अनुपालन के बारे में स्थिति**: इस बात की भी पुष्टि की जाती है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।

(iii) उन मामलों की स्थिति, जहां (सार्वजनिक उपक्रम चयन बोर्ड) से सिफारिशें प्राप्त हुई हैं, लेकिन प्रस्तावों को अभी तक एसीसी सचिवालय को प्रस्तुत किया जाना है :शून्य ।

****

अनुलग्नक-I

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

1. पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने बजट घोषणा के संबंध में वेबिनार के एक भाग के रूप में डीप ओशन मिशन के संबंध में सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की अध्यक्षता में 3 मार्च, 2021 को एक विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया।
2. प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद द्वारा तैयार किए गए समुद्री अर्थव्यवस्था नीति दस्तावेज के मसौदे को सभी संबद्ध हितधारकों एवं औद्योगिक निकायों सहित संबंधित मंत्रालयों/विभागों को उनके इनपुट/विचारों के लिए परिचालित किया गया। समुद्री अर्थव्यवस्था नीति का मसौदा सार्वजनिक परामर्श के लिए पृथ्वीविज्ञान मंत्रालय की वेबसाइट उप उपलब्ध है।
3. भारत को हाल में हुए चुनावों में इंटरनेशनल सीबेड ऑथरीटी, समुद्र के नियमों पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय के तहत स्थापित निकाय, के सदस्य के रूप में 4 वर्ष की अवधि (जनवरी, 2021 से दिसंबर,2024 तक) के लिए पुन: चुना गया।

4. अंटार्कटिका में भारती और मैत्री भारतीय स्टेशनों के लिए ईंधन, खाद्य पदार्थो, दवा उपकरण, स्पेयर आदि की आपूर्ति के बाद चार्टरपोत एमवी वेसिलि गोलोवनिन ने 27 मार्च, 2021 को अपनी वापसी यात्रा प्रारंभ की।
5. समुद्री प्रेक्षण एवं पूर्वानुमान सेवाओं के लिए भारतीय राष्ट्रीय समुद्री सूचना सेवा केन्द्र तथा शिपिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के बीच एक आशय पत्र पर दिनांक 1 मार्च, 2021 को हस्ताक्षर किए गए।
6. राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान को भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा बेंगलुरु में 25 मार्च, 2021 को जहाज एवं नवाचार प्रौद्योगिकी के तहत एक ''प्रशास्ति–पत्र'' के साथ 'बेस्ट इन्नोवेटिव प्रैक्टिसेज पुरस्कार' प्रदान किया गया। COVID-19 के कारण लॉकडाउन के संबंध में सरकार द्वारा जारी सभी निर्देशों /दिशानिर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया गया ।

निर्णय/ अनुमोदन की आवश्यकता वाला कोई भी मामला मंत्रिमंडल के समक्ष लंबित नहीं था।

<u>न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन;</u>

- किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता मोड के मध्यम से देश में एस.एम.एस और आईवीआर प्रौद्योगिकी के जरिए प्रयोगता समुदायों के लिए एग्रोमेट परामर्शिकाओं का प्रसारण जारी है। वर्तमान में, देश में लगभग 40 मिलियन किसान सीधे तौर पर एस.एम.एस के जरिए एग्रोमेट परामर्शिकांए प्राप्त कर रहे हैं।
- राज्य सरकार के अधिकारियों/ आपदा संबंधी अधिकारियों/ केंद्र सरकार के संगठनों/जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी जा रही हैं
- राज्य प्राधिकरणों, इलैक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया सहित सभी प्रयोक्ताओं को ई-मेल के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और शहर पूर्वानुमान के साथ-साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

<u>वायुमंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क।</u>

प्रेक्षण का प्रकार।	अब तक स्थापित	महीने के दौरान स्थापित।	डेटा रिपोर्टिंग।
स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS)	351*		351.
स्वचालित वर्षा मापक (ARG)	403**	--	403
जीपीएस सोंडे आधारित आरएस/आरडब्ल्यू (रेडियो सोंडे/रेडिया वायु) स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार	28***	--	26
ओजोन(ओजोन सोंदे+कुल ओजोन)	04	--	04
सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक सकेन्द्रन सेल विधि)	07	--	07
नेफेलोमीटर	12	--	11
स्काई रेडियोमीटर	20	--	19
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	23
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली	10 (दिल्ली)	--	09 (दिल्ली)

	10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)		10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)
हाइड्रोमैट (भारत मौसम विज्ञान विभाग एवं एडब्ल्यूएस एवं एआरजी को छोडकर अन्य विभाग	---	--	3046
विमानन	79	--	79
रेडिएशन स्टेशन	46	---	46

*कुल 724 मे से 373 पुराने हैं।
**कुल 1363 में से 960 पुराने हैं।
*** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के दो डॉप्लर मौसम रडारों सहित।

मॉडलिंग

मार्च, 2021 के दौरान प्रत्येक सप्ताह में गुरुवार को, राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र ने वर्षा, सतह के तापमान और वायु के लिए अगले 4 सप्ताहों तक युग्मित मॉडल आधारित विस्तारित रेंज पूर्वानुमान रीयल टाइम में स्पेस एप्लीकेशन सेंटर/भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, स्नो एंड एवेलांच स्टडी एस्टेब्लिसमेंट/ रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन,भारतीय वायु सेना, नौसेना, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी तथा बंगाल इनिशिएटिव फोर मल्टी सेक्टोरल टेक्नीकल एंड इकोनोमिक कॉऑपरेशन देशों को उपलब्ध कराए। बर्फ पुर्वानुमानों में साप्ताहिक विसंगति एसएएसई और आईएएफ को भेजी गई।

एनसीएमआरडब्ल्यूएफ ने 17 फरवरी 2021 से एनसीएमआरडब्ल्यूएफ युग्मित मॉडल से दक्षिण ध्रुव क्षेत्र (अंटार्कटिका) के लिए समुद्री बर्फ से संबंधित पेरामीटरों के दैनिक पूर्वानुमान भेजना प्रारंभ कर दिया है। इन पूर्वानुमानों का प्रयोग चार्टर्ड आंईस क्लास अभियान पोत वेसिली गोलोवनिन द्वारा अंटार्कटिका के लिए एनसीपीओआर के 40वें वैज्ञानिक अभियान में यात्रा के लिए प्रयोग किए गए।

मासिक मौसम सारांश (मार्च, 2021)

क) माह के दौरान मौसम संबंधी महतवपूर्ण घटनाएं

<u>निम्न दाब प्रणाली:-</u> मार्च, 2021 माह के दौरान, 12 पश्चिमी विक्षोभों ओर 5 प्रेरित चक्रवातीय परिसंचरणों ने उत्तरी पश्चिमी भारत को प्रभावित किया; पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत में अनेक स्थानों पर व्यापक वर्षा/बर्फबारी हुई। जम्मू कश्मीर और लद्दाख,असम तथा मेघालय एवं केरल तथा माहे, अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु, पुदुच्चेरी तथा कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा हुई।

लू: सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय आंध्र प्रदेश एवं यमन, तमिलनाडु, पुदुच्चेरी और कराईकल, गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, कोंकण और गोवा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, झारखण्ड और विदर्भ के कुछ भागों में लू और अत्यधिक लू की स्थितियां रही।

ख) वर्षा परिदृश्य: मार्च,2021 माह में, पूरे देश में 16.7 मिमी. वर्षा दर्ज की गई जो इसके दीर्घावधि औसत (एलपीए) 30.4मिमी.से 55% कम है।

ग) भारी वर्षा की घटनाएं

समयावधि जिसके लिए चेतावनी जारी की गई	भारी / बहुत भारी वर्षा की घटनाओं की संख्या (> 64.4 मिमी): 10
	64.4 मिमी से अधिक वर्षा के लिए प्रतिशत सुधार (% में)
दिन 1/24 घंटे।	98%
दिन 2/48 घंटे	98%
दिन 3/72 घंटे।	98%

घ) तापमान परिदृश्य: मार्च, 2021 माह के दौरान देश का सकल औसत तापमान 26.3 डिग्री सी रहा; जो सामान्य से 1.24^0 सेल्सियस अधिक था। माह के दौरान मैदानों में अधिकतम तापमान बरीपाडा (ओडिशा) में 30 मार्च, 2021 को 44.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और न्यूनतम तापमान उदयपुर (पूर्वी राजस्थान) में 2 मार्च 2021को 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ड.) गरजना और ओलावृष्टि गतिविधि :- माह के दौरान (माह के अंतिम दिन भारतीय मानक समय के अनुसार 0830 बजे तक) गरजना और ओलावृष्टि गतिविधि नीचे सारणी में दिए गए अनुसार है।

क्र. सं.	क्षेत्र	टीएस दिन	अधिकतम गरजना और ओलावृष्टि की घटना की तारीख	ओलावृष्टि की घटनाएँ।	गरजना की घटनाएँ।
1.	दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत।	17	25, 27 और 29 मार्च	शून्य	शून्य
2.	उत्तर पश्चिमी भारत।	18	23 मार्च	5 (8 को शिमला, 22 को काजींबुंड, कटरा और भद्रवाह तथा 23 मार्च को भटोट में)	1 (8 मार्च को देहरादून में)
3.	पूर्वोत्तर भारत।	19	9 मार्च	1 (29 मार्च को तेजपुर में)	शून्य
4.	पूर्वी भारत।	15	13 मार्च	6 (10 को जलपाईगुडी और बांकुरा, 11 को पक्योंग, 18 और 24 को गगटोक तथा 24 मार्च को तडोंग में)	शून्य
5.	मध्य भारत।	12	12 मार्च	3 (12 को सागर तथा 12 और 13 मार्च को अंबिकापुर में)	शून्य
6	पश्चिमी भारत	06	21 मार्च	1 (पुराना महाबलेश्वर-मीडिया रिपोर्ट)	शून्य

जारी किए गए बुलेटिन/चेतावनियाँ/प्रेस विज्ञप्ति:

अखिल भारतीय मौसम बुलेटिन- 124, अखिल भारतीय मौसम अनुमान और प्रतिकूल मौसम चेतावनियां - 124, अखिल भारतीय साप्ताहिक मौसम रिपोर्टें-4, पश्चिमी और मध्य हिमालयी क्षेत्र के लिए प्रतिकूल मौसम चेतावनियों सहित पर्वत मौसम बुलेटिन-62, समुद्री मौसम बुलेटिन-62, प्रतिकूल मौसम के लिए तत्काल पूर्वानुमान दिशानिर्देश बुलेटिन-31, उतरी हिंद महासागर के डब्ल्यूएमओ/डब्ल्यूएससीएपी पैनल सदस्य देशों के लिए उष्णकटिबंधीय मौसम आउटलुक-31, प्रतिकूल मौसम के लिए पूर्वानुमान कार्यक्रम बुलेटिन-31, चक्रवात उत्पत्ति से संबंधित विस्तारित रेंज आउटलुक 4, शीतकालीन मौसम प्रणाली के लिए एफडीपी बुलेटिन-31

प्रकाशन और प्रचालन रिपोर्टें:

(i) मार्च, 2021 माह के लिए ईएनएसओ बुलेटिन तथा मार्च से जून, 2021 के महीनों के लिए दक्षिणी एशिया हेतु मौसमी जलवायु आउटलुक जारी किए गए। (त्वरित लिंक:www.imdpune.gov.in/Clim_Pred_LRF_New/Products.html

(ii) 03.03.2021, 10.03.2021,17.03.2021, 24.03.2021 और 31.03.2021 को समाप्त हुए सप्ताहों के लिए चार साप्ताहिक और संचयी मानक वर्षा सूचकांक मानचित्र तैयार किए गए तथा एग्रोमेट परामर्शिका सेवा बुलेटिन में प्रयोग के लिए दे दिए गए। इन्हें भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिया गया।

(iii) दैनिक अखिल भारतीय मौसम सारांश और साप्ताहिक मौसम रिपोर्टें नियमित आधार पर प्रकाशित जा रही हैं।

(iv) भारत के जलवायु नैदानिक बुलेटिन में प्रयोग के लिए मासिक और संचयी मानक वर्षा सूचकांक मानचित्र मार्च 2020 को समाप्त माह के लिए तैयार किए गए। इन्हें भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिया गया।

(v) 0.5*0.5 डिग्री रिजोल्यूशन पर ग्रिडेड मानकीकृत वर्षा सूचकांक (एसपीआई) एवं मानकीकृत वर्षा वाष्पोसर्जन सूचकांक (एसपीईआई) की 4 साप्ताहिक 1, 2, 3 एवं 4 मासिक समय पैमानों पर गणना की तथा आईएमडी पुणे की वेबसाइट पर प्रति सप्ताह आधार पर इन समय पैमानों के मैप अपलोड किए जा रहे हैं।

(vi) अप्रैल से जून 2021 के लिए तापमान आउटलुक को अद्यतित किया गया और 31 मार्च 2021 को जारी किया गया।

(vii) मार्च 2021 की ईएनएसओ बुलेटिन तथा दक्षिण एशिया हेतु मौसमी जलवायु आउटलुक मार्च से जून 2021 माह के लिए जारी किए गए।

(viii) सर्दी (जनवरी-फरवरी) के मौसम एवं फरवरी 2021 माह का जलवायु सारांश जारी किया गया था।

(ix) भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM), पुणे द्वारा प्रतिदिन दिल्ली के लिए पूर्व चेतावनी तथा प्रचालन वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान जारी किया जा रहा है।

महत्वपूर्ण प्रेस विज्ञप्ति: उत्तराखण्ड के लिए पूर्वानुमान:- 31, मार्च से मई, 2021 के दौरान तापमान के लिए मौसमी आउटलुक:- 2 (अंग्रेजी और हिंदी दोनों में), फरवरी 2021 के लिए मासिक मौसम समीक्षा तथा मार्च 2021 के लिए मौसम आउटलुक: -1, सर्दी (जनवरी-फरवरी) के मौसम एवं फरवरी 2021 माह का जलवायु सारांश: - 1, वर्तमान मौसम स्थिति तथा दो सप्ताह के लिए आउटलुक:-4.

भूकम्पविज्ञानीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण प्रकार	लक्ष्य	अभी तक आरम्भ किए गए	माह के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भूकम्प पूर्वानुमान केन्द्र	115	115	107
जीपीएस स्टेशन	40	20#	18

40 में से # 20 स्टेशन VSAT से कनेक्टेड हैं, शेष 20 स्टेशन स्टैंड-एलोन मोड में रिपोर्टिंग कर रहे हैं।

भूकंप और सुनामी की निगरानी

भूकंप: भारतीय क्षेत्र में 116 भूकंपों की निगरानी की गई, जिसमें से 3 भूकंप 5.0 की तीव्रता (एम) से अधिक के थे।

सुनामी: सुनामी उत्पन्न कर सकने की क्षमता वाले 4 समुद्र तलीय भूकम्प (एम>6) आए। यह सूचना सभी घटनाओं के घटित होने के 12 मिनट से कम समय में उपलब्ध कराई गई।

समुद्र प्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफॉर्म का प्रकार	लक्ष्य	मार्च, 2021 तक आरम्भ किए गए	मार्च, 2021 के दौरान प्राप्त डेटा
अर्गो फ्लोट्स*	200	374	110
मूरेड बुवॉय	16	19	13
टाइड गेज	36	36	32
उच्च आवृत्ति (HF) राडार	10	12	12
एकाउस्टिक डॉपलर करेंट प्रोफाइलर (ADCP)	20	20	18
सूनामी बुवॉय	4	7	3
वेव राइडर बुवॉय	23	16	12

*शेष फ्लोट्स / ड्रिफ्टर्स ने अपनी जीवन अवधि पूरी कर ली है, इसलिए उनसे कोई डेटा नहीं प्राप्त किया जा सकता।

समुद्र विज्ञान सेवाएँ

क्र.सं	पूर्वानुमान के प्रकार	महीने के दौरान जारी की गई परामर्शिकाओं की संख्या
1	इंटीग्रेटेड पोटेंशियल फिशिंग जोन (PFZ) एडवाइज़री (सी सर्फेस टेम्परेचर (SST), क्लोरोफिल, विंड)।	29
2	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिकाएं	28
3	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF) तरंग, पवन,धारा, एसएसटी(समुद्र तल का तापमान), MLD (मिश्रित परत की गहराई)और D20 पूर्वानुमान	31
4.	रियल टाइम वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	30
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	10

समुद्री सजीव संसाधन

क्रूज संख्या 388 के दौरान अंडमान सागर के फॉनिस्टिक अभियान में भारतीय समुद्री क्षेत्र में पहली बार रीफ-एसोसिएटेड मैंटिस श्रिम्प ओडोन्टोडैक्टिलुशैवैनसिस मैनिंग 1967 का 1 प्रथम जूजियोग्राफिकल रिकॉर्ड पाया गया। पहले यह माना जाता था कि यह प्रजाति केवल हवाई में पायी जाती थी, और यह अब तक का केवल दूसरा रिकॉर्ड है, जिसे 53 मीटर की गहराई में चेन ड्रेज के साथ कलेक्ट किया गया है।

ब्रैरोसैक्युसकैलोसस, किंग क्रैब का एक व्यापक रूप से वितरित परजीवी, को दुनियाभर में विभिन्न प्रजातियों में पाए जाने की रिपोर्ट की गई है। अभी तक केवल दो प्रजातियों को इसके होस्ट के रूप में पहचाना गया है, इनका नाम है पैरालोमिजेनस से पी. ग्रैन्युलोसा तथा पी एनामारे। पैरालोमिस इंडिका इस परजीवी लिए तीसरा होस्ट है, जिसकी पहचान पहली बार भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में की गई है।

<u>आउटरीच एवं जागरुकता</u>

NIOT ने 18 मार्च, 2021 को अपने सभी कर्मचारियों, उनके परिजनों तथा सेवा प्रदाताओं हेतु कोविड टीकाकरण कैम्प आयोजित किया।

15-19 मार्च 2021 के दौरान अन्तरराष्ट्रीय प्रचालन समुद्रविज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र (ITCOocean), भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (INCOIS) द्वारा समुद्री मौसम डेटा का विजुअलाइजेशन (FERRET का प्रयोग करते हुए) संबंधी पांच (5) दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। इस ऑनलाइन पाठ्यक्रम में हिंद महासागर के 11 देशों के लगभग सौ (100) प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने विश्व मौसम विज्ञान दिवस मनाया। 23 मार्च, 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव। इस अवसर पर पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव ने जलवायु डेटा सेवा पोर्टल का शुभारम्भ किया। उन्होंने आईएमडी की मानक प्रचालन प्रक्रिया (SOP) एवं पत्रक भी जारी किया। NCMRWF तथा प्रबन्धन अध्ययन संस्थान, नोयडा चैप्टर ने 23 मार्च 2021 को - समुद्र, हमारी जलवायु एवं मौसम कार्यक्रम - नामक विषय पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया। इस ऑनलाइन ईवेन्ट में 60 से अधिक व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। **भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM), पुणे ने विश्व मौसम विज्ञान दिवस आयोजित किया, तथा विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) दिवस 2021 के विषय "समुद्र, हमारी जलवायु एवं मौसम" के अनुरूप "समद्री सूचना सेवाओं के सामाजिक लाभ" नामक विषय पर एक विशेष ऑनलाइन व्याख्यान दिया।** दिनांक 23 मार्च, 2021 को विश्व मौसम विज्ञान दिवस पर भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी (IMS) तथा भारतीय समुद्री सोसायटी (OSI) द्वारा "समुद्र, हमारी जलवायु एवं मौसम' पर एक ई-संगोष्ठी आयोजित की गई।

आईआईटीएम, पुणे तथा डब्ल्यूएमओ के विश्व मौसम अनुसंधान कार्यक्रम / विश्व जलवायु अनुसंधान कार्यक्रम WWRP/WCRP सब सीजनल-टू-सीजनल (S2S) पूर्वानुमान परियोजना ने संयुक्त रूप से दिनांक 29-31 मार्च 2021 के दौरान आईआईटीएम, पुणे में "दक्षिण एशिया में सब-सीजनल टू सीजनल पूर्वानुमान के भविष्य की दिशा" पर एक वर्चुअल अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

दिनांक 26.03.2021 को मौसम विज्ञान केन्द्र, भुबनेश्वर में स्वचालित मौसम केन्द्र के सत्यापन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों के खण्ड कृषि अधिकारी / सहायक कृषि अधिकारी (AAO) उपस्थित हुए।

अन्तरराष्ट्रीय प्रचालन समुद्रविज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र (ITCOocean), INCOIS द्वारा समुद्री मौसम डेटा का विजुअलाइजेशन (FERRET का प्रयोग करते हुए) पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हिंद महासागर के 11 देशों के लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यह ऑनलाइन पाठ्यक्रम 5 दिनों तक, 19 मार्च, 2021 तक, संचालित किया गया।

19 मार्च, 2021 को राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र (NCCR) ने अपना स्थापना दिवस आयोजित किया। इस कार्यक्रम में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. राजीवन तथा पूर्व सचिव डॉ. एस.आर. नायक उपस्थित हुए। स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय समुद्र एवं वायुमंडलीय प्रशासन (NOAA), यूएसए के डॉ. सिडनी थर्सटन ने व्याख्यान दिया।

दिनांक 8 मार्च, 2021 को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय एवं इसके संस्थानों में अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस आयोजित किया गया।

प्रकाशन

विषय	प्रकाशन			पीएचडी		
	अप्रैल 2020 - फरवरी 2021	मार्च, 2021	कुल	अप्रैल 2020 - फरवरी 2021	मार्च, 2021	कुल
वायुमण्डलीय विज्ञान	226	29	255	4	0	4
समुद्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	109	11	120	2	0	2
ध्रुवीय विज्ञान	52	4	56	1	0	1
भूविज्ञान एवं संसाधन	44	13	57	0	0	0
कुल	431	57	488	7	0	7

माह के दौरान समुद्री अनुसंधान पोतों का उपयोग

पोत	समुद्र में दिन / उपयोग	अनुरक्षण / निरीक्षण / वैज्ञानिक लॉजिस्टिक / क्रूज तैयारी	क्रूज की संख्या
सागर निधि	26	5	3
सागर मंजूषा	0	31	0
सागर तारा	0	31	0
सागर अन्वेषिका	11	20	1
सागर कन्या	0	31	0
सागर सम्पदा	0	31	0

<u>अनुलग्नक-II</u>

फाइल संख्या एमओईएस/20/01/2017-स्थापना

संख्या एमओईएस/20/01/2017-स्थापना
भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लोधी रोड
नई दिल्ली-110003

दिनांक:.....अप्रैल, 2021

प्रमाण पत्र

(अप्रैल, 2021 माह के लिए)

यह प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबधित सभी पदों की विस्तृत स्थिति को मार्च, 2021 माह के अन्तिम दिन को एवीएमएस पर अद्यतित किया गया है। स्थिति का सारांश इस प्रकार है:

(क)	एवीएमएस में पदों की कुल संख्या	-13
(ख)	आज की तारीख तक भरे गए पदों की संख्या	-11
(ग)	आज की तारीख तक कुल रिक्त पदों की संख्या	-02
(घ)	अतिरिक्त प्रभार वाले पदों की संख्या	-01
(ड़)	अगले छ: माह के दौरान रिक्त रहने वाले पद	-00

(अंजू भल्ला)
संयुक्त सचिव
js@moes.gov.in